Seth. R. C. S. Arts & Commerce College

Utai Road, Near Ravishankar Shukla Stadium Durg (C.G.) 491001
(Run by District Education Society Durg)
Accredited with Grade B by NAAC
Affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg
Recognised under 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956
Phone: (0788) 2322457
Website: www.rcscollege.com Email: rcscollege1964@gmail.com

सुराना महाविद्यालय में संविधान दिवस का आयोजन

प्रतिवेदन

दुर्ग. सेठ आर. सी. एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय दुर्ग के सभागार में 26 नवंबर संविधान दिवस के परिपेक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व महाअधिवक्ता छत्तीसगढ़ श्री कनक तिवारी थे। उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि भारतीय संविधान सामूहिक लेखन का एक नायाब उदाहरण है। जिसमें भारत के समस्त आबादी के

प्रतिनिधि शामिल थे। यह संविधान इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इसे आधा गुलामी के दौर में और आधा आजादी में लिखा गया है। भारतीय संविधान के निर्माण के दौरान विश्व के श्रेष्ठ संविधानों से प्रेरणा ली गई है। हमारा आज का संविधान पं0 जवाहर लाल नेहरू के सपनों का संविधान है। जिसे मूर्त रूप देने का कार्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने किया। विकसीत देशों के अपेक्षा हमारे देश के विद्यार्थियों में अध्ययन की रूची बहुत कम है। संविधान शासन पर प्रतिबंध लागू करता है और वे प्रतिबंध विधिक दृष्टि से प्रवर्तनीय होते हैं।

संविधान द्वारा ही किसी सरकार की शक्तियों को वैधता प्राप्त होती है। उन्होंने संविधान निर्मात्री सभा में छत्तीसगढ़ राज्य के छः सदस्यों का जिक्र करते हुए उनके बारे छात्रों को बताया। उन्होंने हिन्दुस्तान एवं संविधान को समझने भारत के 06 महापुरूषों स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी, पं0 जवाहर लाल नेहरू, भगत सिंह, डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं राम मनोहर लोहिया की

लिखी हुए पुस्तकों एवं उनके आत्म कथाओं का अध्ययन करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। विशेषकर महात्मा गांधी द्वारा लिखित हिन्द स्वराज को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में शामिल करने कहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी. एन. सूर्यवंशी ने इस अवसर पर संविधान के व्यवहारिक प्रयोग की जानकारी दी एवं कहा कि संविधान द्वारा राष्ट्रपति, राज्यपाल और लोक सभा एवं विधानसभा के स्पीकर को संविधान द्वारा अपने विवेक से कुछ विषयों पर निर्णय लेने का जो अधिकार दिये गये हैं उसकी समीक्षा की आवश्यकता है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं व प्राध्यापकों के साथ सेठ बद्रीलाल खण्डेलवाल शिक्षा महाविद्यालय दुर्ग के छात्र–छात्रा एवं प्राध्यापक भी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद यादव ने किया।

प्राचार्य